NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 03-05-2022

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज वक्ता के रूप में भारतीय पौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत । संवाद

समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कलपति प्रो.टंकेश्वर कमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपुर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में

उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on 'Hindi Typing'

Newspaper: <u>Dainik Jagran</u> Date: 03-05-2022

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर कुमार

आइआइटी खड़गपुर के विरष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी महेंद्रगढ: हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित को है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ ववता को स्मृति चिहन प्रदान करते हुए कुलपति 🌑 सौ. हर्केवि

कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड्गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपित ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपित ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक

उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढना होगा।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कलानशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष. शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Haribhoomi</u> Date: 03-05-2022

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी



महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 03-05-2022

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.कें.वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 2 मई (परमजीत, मोहन): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराईल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त विचार



ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.),खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर वशिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपित ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोज नों को विद्यार्थियों.

शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्यशाला में मंच संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलंद्र सिंह ने किया, जबिक धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 03-05-2022

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दीहमारीराजभाषाहै और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेत मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढऩा होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडरापुर के समय में तकनीकी के सहारे यह वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव चनौती और भी सहज हो गई है और रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार व

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बदता होगा।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar Date: 03-05-2022

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर कुमार

आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

राष्ट्रीय खबर ब्युरो

चंडीगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेत मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े, से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग,



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपित ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शोद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के

प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपित ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्ययन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारो भाषा है और हमें चीन, जर्मनी,

हकेवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबिक धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कमार ने प्रस्तृत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj Date: 03-05-2022

कार्यशाला

हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हिन्दी हमारी राजधाण है और इसके विकास के लिए बेहद अवस्थाक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेत्र विलाक प्रधास करें। अवन पदि हम चीन, जामें, हजाइल जैसे विकासत देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों में किस तथा से अपनी भाग के सहारे विकास के मुल्लीदार्गों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्वाधित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साम आगे बहना होगा और इसके तिन्द हिन्दी भाग के पृति स्वीकार्यात का भाग बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे वह चुनीतों और भी सहज हो वई है और हम बोडे से ही प्रवास से



अपने रख्यों को प्राप्त कर सकते हैं।
यह निचार हरियाणा केंद्रीन
विश्वविद्यालय (हकेबि), व्हेंद्रगढ़ के
कुरापति प्रो. टेकेरबर कुमार ने
सोमध्यार को विश्वविद्यालय के
ग्रन्थाया अनुभार, नवर ग्रान्थाया
अध्यार को स्थिति (नराकस) व
अध्यारी का अध्यार महोस्था अध्यार

समित द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केदित कार्यशाला को संबंधित करते हुए व्यक्त की। इस आपीवन में विशेषत्त बन्धा के रूप में भारतीय प्रीद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डी. राजीय एवत उपस्थित रहे। कार्यशाला की सुरू-अहत विस्लाविद्यालय के कुलगीन



के स्वय हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सक अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिशता प्री. सांक्रिक शर्म ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यावशता की अभ्यश्चा कर रहे विश्वविद्यालय के कुल्तित हों. टेकेस्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वायत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के अयमोजनों को विद्यार्थियों, खेडार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेयर कर्मचारियों के लिए बोहर उपनोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रतीम को बाल मिलीया। कुलपति में

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूप जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की अरूदत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ न्याथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी उक्तनीकी उपकरणों से प्रतिभाषियों को अस्तरात कराया।

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर कुमार

आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

राष्ट्रीय खबर ब्यरो

चंडीगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेत् मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की ब्लंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े, से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनभाग,



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रौद्योगिकी (आईआईटी), खडगप्र के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तृत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कलपति ने अपने संबोधन में इस तरह आयोजनों को विद्यार्थियों. शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के

अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपुर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी,

हकेवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबिक धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दीहमारीराजभाषाहँ और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तस्ह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढऩा होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनीती और भी सहज हो गई हैं और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिको संस्थान (आईआईटी), खडशपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति को नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ को अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डाॅ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तस्ह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ता होगा।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ ह.कें.वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का आरोजन

महेंद्रगढ़, 2 मई (परमजीत, मोहन): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराईल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी हैं। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त विचार



ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपित।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.),खड़गपुर के विरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर वशिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपित ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोज नों को विद्यार्थियों. शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देनेके लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्यशाला में मंच संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबिक धन्यवाद ज्ञाप न विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी



महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक: प्रो.टंकेश्वरं कुमार आइआइटी खड़गपुर के विरिष्ट हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ: हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिहन प्रदान करते हुए कुलपति 🏻 सौ. हकेंवि

कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अधियान समिति

की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक

उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढना होगा।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष. शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजधाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान



हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत । संवाद

समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढना होगा।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में

उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद जापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on Futuristic aspects of Printing and Packaging Technology

Newspaper: Dainik Jagran Date: 06-05-2022

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि 🏻 सौ. संस्था

प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित रहे।

बहत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। वेस्ट को भी कम किया जा सकता है।

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के का उपयोग कर रहा है तो इसमें प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ही समझा जा सकता है इसलिए इस किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी कमार मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में उन्होंने अपने संबोधन में कहा नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी संभव हैं और इस तकनीक के सहारे का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले

फारच्यनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बुरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Date: 06-05-2022 Newspaper: Amar Ujala

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित यवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी किया गया।प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय तकनीक की मदद से बडे बदलाव संभव कुलपित प्रो. टॅंकेश्वर कुमार ने कहा कि हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार



हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संबद

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 06-05-2022

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया पैकेजिंग प्रिंटिंग एंड प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग पौद्योगिकी अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के

प्रो. अंजन कमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कुल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप ब्रा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 06-05-2022

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपति प्रो. टेकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्जवल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्मेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय



महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरव्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बरा, सहायक आवार्य शम्मी मेहरा, अनिल कड़, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण मुमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 06-05-2022

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित <mark>कार्यशाला</mark> आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मईं (परमजीत, मोहन): ह रियाणा कें द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

कार्यक्रममें शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडु, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 06-05-2022

हकेवि में कार्यशाला आयोजित



महेंद्रगढ, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं। फॉरच्यूनर पैंकेजिंग प्रडवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में शामिल स्कुल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बुरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंड, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक सीप्रंगर नेचर द्वारा

प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति



विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

हकेवि में कार्यशाला आयोजित



महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं । फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्रइवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन



महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित <mark>कार्यशाला</mark> आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): ह रियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य क्कता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेत् विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडु, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपित ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतर्रष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए



रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिएविद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस. के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है।

डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्टृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस.-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपित प्रो. टेकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्मेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय



महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरव्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

 पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है

हरिभूमि न्यूज भागहेंदगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर ने अंतर राष्ट्रीय प्रकाशक सीप्रंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज व सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना



महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

फोटो: हरिभूमि

प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय

मुद्दों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर को भेंट करते हुए कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं को

बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने में योगदान करती है। विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील, वित्त अधिकारी डॉ. विकास, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि 🏻 सी. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फारच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

पुस्तक नीति विकास व मानवीय मुद्दों को समझने के बेहतर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संबाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डा. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कालेज सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर प्रा. टंकेश्वर ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक, मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डा. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानीं, योजनाकारीं, निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल



रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली विमोचन करते कुलपति प्रो , टंकेश्वर कुमार 🏻 सौ. संस्था

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआइएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डा. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआइएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक व सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डा. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रोद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के

प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कुल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का वीसी ने किया विमोचन

भास्कर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।



महेंद्रगढ़ में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना पुस्तक का कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार विमोचन करते हुए।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार



हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संवाद

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर पुस्तक का विमोचन



पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन कियो। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। संवाद

कार्यशाला

हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हालित किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से



अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।
यह विचार हरियाणा केंद्रीय
विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के
कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने
सोमवार को विश्वविद्यालय के
राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा
कार्यान्वयन समिति (नराकस) व
आजादी का अमृत महोत्सव अभियान

समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत



के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 06-05-2022

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर पुस्तक का विमोचन



पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन कियो।। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। संवाद

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 06-05-2022

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का वीसी ने किया विमोचन

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेंबि, महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्मिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।



महेंद्रगढ़ में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार विमोचन करते हए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 06-05-2022

पुस्तक नीति विकास व मानवीय मुद्दों को समझने के बेहतर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डा. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कालेज सुल्तानपुर द्वारा संपादित प्रस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर प्रा. टंकेश्वर ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक, मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डा. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों, निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल



रिमोट सेंसिंग और भौगौलिक सूचना प्रणाली विमोचन करते कुलपति प्रो , टंकेश्वर कुमार 🏽 सौ. संस्था

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआइएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डा. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट संसिंग और जीआइएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक व सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डा. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Harbhoomi Date: 06-05-2022

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

 पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है

हरिभुमि न्यूज 🛏 महेंदगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अंतर राष्ट्रीय प्रकाशक सींप्रंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज व सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सींसंग और भीगोलिक सचना



महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

फोटो: हरिभूमि

प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपित ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर को भेंट करते हुए कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने में योगदान करती है। विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील, वित्त अधिकारी डॉ. विकास, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 06-05-2022

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतर्रष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाटी, प्राचार्य, राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन Lसे संबंधित नीति विकास के लिए



रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस. के आधनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है।

डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्ट्रिष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस.-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 06-05-2022

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन



महेंद्रगढ, महेश गप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डाँ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनसंधान के लिए विद्वानों. योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्रदों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। डॉ, मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar Date: 06-05-2022

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक सीप्रंगर नेचर द्वारा

प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डाँ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति



विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 06-05-2022

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंदगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार



हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संबाद

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 06-05-2022

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यज महेंद्रगढ

हकेंवि महेंद्रगढ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कलपति टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग पौद्योगिकी अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित यवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के

प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फुल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप ब्रा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 06-05-2022

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि . संस्था

प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर उपस्थित रहे।

का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। वेस्ट को भी कम किया जा सकता है।

संवाद सहयोगी, महेंद्रगद्वः हरियाणा ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के का उपयोग कर रहा है तो इसमें प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ही समझा जा सकता है इसलिए इस किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में प्रशिक्षित यवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी कुमार मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में उन्होंने अपने संबोधन में कहा नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले

फारच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फुल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बरा. सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंड, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपर्ण भमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 06-05-2022

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपति प्रो. टेकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकों का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्जवल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्मेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय



महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरव्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बरा, सहायक आवार्य शम्मी मेहरा, अनिल कड़, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण मुमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 06-05-2022

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित <mark>कार्यशाला</mark> आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मईं (परमजीत, मोहन): ह रियाणा कें द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में



हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

कार्यक्रममें शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 06-05-2022

हकेवि में कार्यशाला आयोजित



महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं । फॉरच्यनर पैकेजिंग प्रडवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में शामिल स्कुल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपर्ण भिमका अदा की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-day workshop on 'Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan'

Newspaper: Amar Ujala Date: 07-05-2022

कार्यक्रम

हकेंविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, उपायुक्त हुए शामिल

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियागा केंद्रोप विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुआरंभ हुआ। नव्यचार एवं उद्भवन केंद्र हारा उन्मत भारत अधियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विश्वाट अतिधि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिधि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्री. टेकेश्यर कुमार ने उद्याटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से



कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिहन भेंट करते कुलपति। साह

गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल प्रयुक्त की एरिकल्पना की सकार करने के लिए मिलकर प्रयूक्त करने होंगे। उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिला कृषि विज्ञान केंद्र,

महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्ववषक रमेश पादव, नाबाई के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी अग्रभार व्यवस करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होंगा।

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी भग्रतल पर जनमानस से जुड़े किसी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील

जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में समिलित हिसार की लाइवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यवत किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता बीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामी पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोसाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि पशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनीतियों के बावजूद मानव जाति के कल्यांग हेतु निरंतर प्रथासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यदव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ ण्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का मंचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद जापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 07-05-2022

हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

श्रीरकार केंद्रीय विकासिकारण में शहरता को छै दिवसीन प्रतिस्था कार्यशाल व गोधन आपतित उत्पादी को प्रदर्शनी का गुधारंथ हुआ। नवाचार एवं उद्धापन बेंद्र द्वारा तमा पारत अधियान के तहत विश्वविद्यालय के गेद्र लिए एवंद्रों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाल में ब्रिकेट ओर्डीय के रूप में दिश्व उत्तर्भक उत्तम लाग चूनिया थ रामहोरम दिनेता कुमा शामिल हा। इस बार्वक्रम में मुखा अविधि व विश्वविद्याला के कुलबीत में. टेकेंबर बुमार ने उद्यादन सब को संबंधित करते हुए कहा कि योधन पुरतन करता से ही जीवन में संसूचन कर परिवारक रहा है। उन्होंने आत्मनिमेर भारत के निर्माण हेनू इस तथा के आयोजनों को



प्रतिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति पिक्क मेंट करते कुलावीत प्रो. टॉक्स्पर।

के चेत्र में विभागों के शिक्ष अध्ययक उपयुक्त रायम स्वता पुरिचा ने कार्यकार के अस्तरकार को बहु। पान मंभव होगा जो कि आधीरन के लिए विवादीवारण कुरणीत अस्पनियोग गोत, जिले, राजन से देश के स्वता का आधीरकों का आधार त्यकर किया और महत्त्वपूर्ण बताया और बजा कि अवस्था भी। को प्रध्न करने के लिए अन्यंत अवस्थक। करत कि अवस्थ ही इस उरत के प्रथारों से

इसके माध्यम से गोधन विकास और क्षीत्र की इस मीचे पर विकार अविधि किला

मदद विशेषीः स्मृत्य की मूल प्रवृति प्रवृति में जन्मक की वर्षी है और वह प्रवृति में प्रेम करता है। जिसके परियम स्वरूप जरूता है कि अपनी सकत्वय स्थापित कर मिलकर कि जर्मना अस्त्रन के लिए को किया जाए। अनीन के लिखान के लिए को किया जाए। अनीन केचन लिखान को जैनिक डिम्मेट्स के बताते हुए कहा कि हमी धामा लाउना वैशाल का उद्याग उपस्थित है, जिसमें मीहकूत हम भी मीहात्रकारों को समुद्ध बना मकते हैं। जिला उपरावश ने अपने पंतरिक्त में गोपन विकास च बुर्वि के क्षेत्र में उपलेखनीय परिणामें के लिए कृषि व गोपंतर मेंहरिनक तथ कियान के बीच समन्तन स्थापित करने

पीकारपा को स्थार करने के लिए पिलार जानकर एवं उद्धान केंद्र की संबोधक जिल्लानियालय के रोड़ियक ऑफराता हो. स्थार करने होंगे। अपने संबोधन में दिल्ल हो. सूनेता खीवमत्त्व ने कार्यकाल के रिरोण कुमार ने कहा कि से कृषि निकास में

रफपुका ने अयोजन में मांग्रिका कृषि विद्वार केंद्र महेदातु के बरिट सम्मानक रमेश नाटन, नकार के प्रतिनीचनों महिल किया क्रियाच का या जगार ज्यान कर करा क्रू क्यां कि अक्षण में उनके जन तरफ क्रियाणिये की मान क्षेत्राः, एवं प्रज्ञ में एमसीह्य दिनेत बुमार ने कहा कि प्रश्रम रा जनमाना में जुड़े मिली थी निक्य में विवादीसदान के प्रश्राम में तिल्ह प्राच्छान अंत्रम का पहुंचने के हिंदा सदेश तरम है। प्रजाने अयोजन में महिनीका क्रिया की लाह्य पोताल के प्रतिकियों मोधन समी, राजीत व विदे का अभार व्यक्त करते हुए बता कि अवाय ही उनके मौद्रत प अरुपंप जोर दिया। का ताम स्थानीय नेवंत्रत्व संचालको की हम उन्होंने कहा कि सार्टनेसल प्रमुपर की कार्याला के माध्यम से झान हो सकेता।

उद्देश्य का उल्लेख काते हुए कहा कि इस क्षेत्र में जिला कार्यल हैं और हरियाण केंद्रीय कार्यमाल के पालमा के गरेजन विकास के विद्यालिकाला के पालमा के वे प्रकारित विकास अवस्थि पर सन्ते होंगी। शब्द ही साथ कृतकों मेरे बेहरों के लिए इसरियन प्रथास विकास अनुवादी पर चन्द्री होती। रहका ही प्रकार कृषि क्षेत्र में जाने बदलायों पर भी विशेषक्षी के माध्यम से जीतीका किया जाएंगा कर्माताल कर मुख्य अक्रमंग लड्डा गेराल है जो कि अभी बुगल प्रकंपन के लिए न रिपर्न भारत सम्बद्ध प्रदेश्य के स्तर पर अपने एक अरुग प्राचन गढ़ते प्रदर्शने भी आयोजन मध्य पर स्थाती मह तत नवाधान न सम्मान्ता स्थान वा जवान च जावान स्थान के जावान स्थान स्थान स्थान के जावान स्थान स्य

कुमार्क को बहुरत के लिए इस्सीपन प्रथम करेंचे। कृषि विद्यान में दें के रोग प्रदान, असरीप्तम पूर्व के प्रतिनिध डॉ. प्रयेश प्रदान व स्वाइक पीताला के मिनता मोहन कर्मी ने अपने मंत्रीपन के प्रध्यम से प्रतिप्रतियों को कृषि व गोम्स निकास के प्रोची पर तकारीकी बदलावी के साथ न्याव्यक्तिक पत्ती से भी अक्टा कराया। बटफिल के टीरान गंध का मंत्रापन नकावर इसे उद्धान केंद्र के मुक्तित असकल में किया और धन्यबाट इंडम किशा पेठ के सहआवार्य ही दिना जबस ने दिया। आयोजन में विस्वविद्यालय को विश्वित पीठों के अधिरदात विश्वनाच्या। शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों स्वीत तार, पाली, भूगतर, धोली और खुडान्य गांनी के प्रतितिक्ष राजीवन की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 07-05-2022

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

संबद रहवोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा केंब्रीय विश्वविद्यालय महेंब्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यणाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वार उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवीं के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिष्ठि के रूप में जिला उपायक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

इस कार्वक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टैकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबंधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्व ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संघव होगा जो कि आत्मनिर्भर गाँव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायक्त श्याम लाल पनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय



रकेंदि में आयोजित दो दिवसीव प्रशिक्षण की संबोधित करते उपायुक्त श्वाम ताल पूनिया ● सी. संस्था

विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलंगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाहवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त में आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश बादव. नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विधिन्न कुलपति व आयोजकों का आधार विशेषज्ञों का भी आधार व्यवत करते ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य व्यवत किया। उन्होंने कहा कि अवस्य हुए कहा कि अवस्य ही उनके ज्ञान आकर्षण लाहवा गोशाला है जो

ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के का लाभ प्रतिभागियों की प्राप्त होगा। एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जहे किसी भी विषय में विश्वविद्यालय जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से के प्रवास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके माठल व अनुभव का लाध स्थानीय गोंगाला संचालकों को रस कार्यशाला के माध्यम से पाप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्धवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कमार • सी. संस्था

कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न के प्रतिनिधि द्य. महेश यादव व सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के बोगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वं स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश बादव, आरपीएस ग्रुप में उपस्थित रहे।

लाहवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साब व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत करावा।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन द्य, दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय को विधिन्न पीनों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुद्धाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्वा

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Harbhoomi Date: 07-05-2022

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ गोधन विकास, आत्म

कसान अभियान का

उपायवत श्याम लाल पनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिमुमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेत् आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गीधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेत् इस तरह के आयोजनी को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन



विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले. राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थित में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य

गोशालाओं को समुद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारों बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाइवा गौशाला का उदारुरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व नौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल प्रयुवर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवयक रमेश यादव. नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विमिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ब्रान का लाम प्रतिमातियों को प्राप्त होगा। इसी कम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है

ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के और वह प्रकृति से प्रेम करता है, विकास व किसानों के प्रशिक्षण में जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है मदद मिलेगी। उन्होंने अपने कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 07-05-2022

गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

सस्टेनेबल फ्यूचर की <mark>परिकल्पना</mark> को साकार करनेकेलिए मिलकर करनेहोंगेप्रयास: उपायुक्त

गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायकः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंबि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथिव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषिके क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरू कता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पुनिया।

ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समुद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए

गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

एस .डी.एम. दिनेश कुमार ने कहाँ कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार द्यवत किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्य शाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषहों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त

ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवस्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनीलकुमार नेअपनेसंबोधनमें भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निस्तर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के अयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिध डॉ. महेश यादव व लाड्या गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा नेअपने संबोधन के मध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तक्कनीकी बदलावों के साथव्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदमवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्व विद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहितजांट पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 08-05-2022

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

संबाद सहवोगी, महेंद्रगढः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता

कार्यशाला के समापन सन्न में मुख्य अतिथि डा. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन कि सानों के आस्मिनर्भरता की पहल

हकें वि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा. ओपी ग्रद्ध से संस्था

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साब-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्धवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपित के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोचें पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 08-05-2022

आत्मनिर्मर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरी: यादव

 हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्धवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ऑफ इंस्टीट्यूशन्स संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के



म**हेंद्रगढ़।** प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ.ओपी यादव। कोटो: हरिभूमि

दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 08-05-2022

अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरी: यादव

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दसरे दिन आरपीएस ग्रप ऑफ इंस्टीट्यशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए



भारत को आत्मिनर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मिनर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोंद लिए गए गांवों को आत्मिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टेंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशास की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मिनर्भर बनाने के लिए कार्य

कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सनीता

श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 08-05-2022

देश की <mark>अर्थव्यवस्था</mark> में किसानों का बहुत अहम योगदानः ओ.पी. यादव

हकेविमें २ दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर. पी. एस. प्रप् ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ. पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर. पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथिक रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्येशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि



प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तलसीयान।

द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहाहै, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनानेकी दिशामें प्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समुद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितीधी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में ग्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसरसिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 09-05-2022

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरुरी: ओपी यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंदगढ़। हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहत



कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संबाद

जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मिछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मिन भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।

देश की <mark>अर्थव्यवस्था</mark> में किसानों का बहुत अहम योगदानः ओ.पी. यादव

=हकेंविमें २ दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ मेंशनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मिनर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर.पी. एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथिके रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि



प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तलसीयान।

द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मिनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनानेकी दिशा में प्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितेषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसरसिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरी: यादव

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उदुभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्पाहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए



भारत को आत्मिनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मिनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मिनिर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशासा की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मिनिर्भर बनाने के लिए कार्य

कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्हों ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता

श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपित महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में ग्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्मर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्मर होना जरूरीः यादव

 हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

हरिमूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के



महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ.ओपी यादव। कोटो: हरिभूमि

दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सन्न के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता

कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डा. ओपी यांदव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक कार्वशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन किसान के अहमनिर्भरता की पहल किसान के अहमनिर्भरता की पहल किसान के किसान के

हकें वि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा . ओपी यादव 🖜 सौ. संस्था

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपित के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सर्पंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

नारनौल, महेश कुमार (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 02 अप्रैल, 2022 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई, 2022 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 2 अप्रैल से आरंभ हुए दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सी.यू.ई.टी. के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी (एन.टी.ए.) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई चलेगी।

प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.टैक. सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी, बी.वॉक. रिटेल एंडलॉजिस्टिक मैनेजमैंट, इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमैंट, बायोमैडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बी.एससी. एम.एससी. कैमिस्ट्री, मैथेमैटिक्स, फिजिक्स, बी.एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठयक्रम उपलब्ध हैं।

गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

सस्टेनेबल प्यूचर की <mark>परिकल्पना</mark> को साकार करनेकेलिए मिलकर करनेहोंगेप्रयास: उपायुक्त

गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायकः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्तत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथिव विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मिनर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषिके क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मिनर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया।

ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपित व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए

गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई <mark>प्रदर्शनी</mark>

एस .डी.एम. दिनेश कुमार ने कहाँ कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीशव रविंद्र का आभार हाकत किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागतभाषण देते कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

कृषि व गौकंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायका

ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रधासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनीलकुमार नेअपनेसंबोधनमें भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारतनिर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निस्तर प्रयासस्त है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिध डॉ. महेश यादव व लाड्या गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तक्क नीकी बदलावों के साथव्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदभवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्व विद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहितजांट पाली, भुरजट, धौली और खुअना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या मंउपस्थित रहे।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

आवेदक अब 22 मई तक कर सकेंगे
 ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में दो अप्रैल से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूलसिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई तक



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। *फोटो: हरिभूमि*

चलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक 22 मई को सायं पांच बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा रात 11.50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। प्रो. फूलसिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीवॉक रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेत आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेत् इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन



विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव. जिले. राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थित में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढकर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपित व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य

गोशालाओं को समृद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाइवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरदेनेबल पयूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सिम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के विरष्ठ समन्यवयक रमेश यादन, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सिहत विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन तिथि 22 तक बढ़ाई

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

संबद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवी के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

इस कार्वक्रम में मख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टॅकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आतमनिर्धर धारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपर्ण बताया और कहा कि अवश्व ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कवि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संघव होगा जो कि आत्मनिर्भर गाँव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आदोजकों का आभार



हकें वि में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित करते उपायुक्त श्वाम ताल पुनिया 🌞

ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाहवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायक्त में आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश बादव नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विधिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रशास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुँचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आवोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके माडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोजाला संचालकों को रस कार्यशाला के माध्यम से पाप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाहवा गोशाला है जो



दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो , टंकेश्वर

कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुनील कुमार ने अपने संबोधन भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के बोगदान का उल्लेख करते हुए के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश बादव, आरपीएस ग्रुप

के प्रतिनिधि द्य. महेश यादव व लाहवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावीं के साब व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत करावा।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन द्य. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय को विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, पुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

संबाद सहवोगी. महेदगढ़: हरियाणा केंब्रीय विश्वविद्यालय महेंब्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में दो अप्रैल से आरंथ हुए देखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बड़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयुईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन के लिए बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयुईटी के नोडल आफिसर प्रो. फुल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के माध्यम से स्नातक पादवक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन

किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाद्यक्रमों में दक्षिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई तक चलेंगी। उन्होंने बताबा कि आवेदक 22 मई को सायं पांच बजे तक आनलाइन आवेदन कर सकते है तथा रात खारह बजकर 50 मिनट तक आनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमां में दाखिले करेगा प्रो. फुल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर ब्रीटेक सिविल ईजीनियरिंग इलेबिट्रकल इंजीनियरिंग, कंप्यटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रिबल मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साईसेज, ईटीग्रेटेड बोएससी मैथेमेटिक्स प्रमप्ससी केमेस्टी. फिजिक्स बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठयक्रम उपलब्ध है।



हरियाणा केंब्रेय विश्वविद्यालय • ही, संस्था

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

आवेदक अब २२ मई तक कर सकेंगे अप्लाई

भास्कर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 02 अप्रैल, 2022 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई, 2022 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई, 2022 तक चलेगी। उन्होंने बताया की आवेदक 22 मई को सायं 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा।

प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी. केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम हैं।

हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

ररियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शकवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही



प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मिनर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य

इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से

गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम् करता है। जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गोधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गोवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल प्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलत हिसार की लाइवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा रजनीश व रविंद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मॉडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के

उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.

क्षेत्र में निरंतर कायंरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाडवा गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पश्चों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात. विभागाध्यक्ष शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा



कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। संबाद

गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र,

महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को

जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यक्त किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील

कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 10-05-2022

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.



टंकेश्वर कुमार में कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थित में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश हाला। संग्रद

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Bhaskar</u> Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 10-05-2022

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में महामारी की हो या रूस-यक्रेन यद

यथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा 📕 योजना (एनएसएस) के संयक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को

बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रो.टंकेश्वर कुमार 🛚

उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थित में लोगों के जीवन की रक्षा अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन करना, मानव जिंदगी को बचाना और हेनरी इयुनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के लोगों की सेवा करना है।

रडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। हा. चहल ने अपने संबोधन

की, यथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और

मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के

विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यथ वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।



स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा., दिनेश चहल 🗷 सी. संस्था

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): ह रियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह केंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रैडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रैडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस



महेंद्रगढ, सरोज यादव (पंजाब केसरी); हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उददेश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यनेंट ने रेडक्रास की शरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल ८ मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडकास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-युक्रेन युद्ध की, युथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran and Amar Ujala (All Editions)

Date: 10-05-2022



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' ग्रेंड मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ - 123031 (हरियाणा)

दिनांक: 06.05.2022

रोजगार सूचना (प्रतिनियुक्ति पर)

विज्ञापन संः हकेवि / 02 / एनटी / डी / 2022

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शिक्षणंतर पदों पर प्रतिनियुक्ति (Deputation) के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पूरा विज्ञापन और अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in पर उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र आदि केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक 20.05.2022 को सायं 5.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए। उप—कुलसचिव स्थापना शाखा (भर्ती)

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

World Red Cross Day

Newspaper: Amar Ujala Date: 10-05-2022

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.



टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थित में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Bhaskar</u> Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 10-05-2022

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में महामारी की हो या रूस-यक्रेन यद

यथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा 📕 योजना (एनएसएस) के संयक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को

बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रो.टंकेश्वर कुमार 🛚

विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत लोगों की सेवा करना है।

रडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। हा. चहल ने अपने संबोधन

की, यथ रेडक्रॉस ने हमेशा

निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के

शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक परिस्थित में लोगों के जीवन की रक्षा अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन करना, मानव जिंदगी को बचाना और हेनरी इयुनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यथ वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।



स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा., दिनेश चहल 🗷 सी. संस्था

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): ह रियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह केंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रैडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रैडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस



महेंद्रगढ, सरोज यादव (पंजाब केसरी); हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उददेश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यनेंट ने रेडक्रास की शरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल ८ मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडकास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-युक्रेन युद्ध की, युथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 11-05-2022

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

सांसद ने लोकसभा में उठाई थी आवाज, अब प्रदेश सरकार को देनी होगी मंजूरी, केंद्र सरकार को भेजना होगा प्रस्ताव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़/नारनील। हरियाणा केंद्रोय विश्वविधालय(हकेंविवि) में मेंडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार करूयाण मंत्री डॉ. मनसुख मंडिविया ने सांसद चीधरी धर्मश्रीर सिंह को लेटर भी जारी कर दिया है। उन्होंने लेटर के माध्यम से बताया कि 20 अप्रैल को हकेंविवि महेंद्रगढ़ में बीधित मेंडिकल कॉलेज के लिए उचित कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार को भेज दिया है।

सांसद बौधरी धर्मबीर सिंह ने 9 मई को सुबे के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार को ओर से केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं हकेंबिंव के कुलपति प्री. टेकेंक्बर कुमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विवि को ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

बता दें कि हरियाणा केंद्रीय किस्त्रविद्यालय की आधाररिसला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी। उस समय हर्केखिंद को बनाने के लिए गांव जांट पाली की 488 एकड़ पंचायती जमीन अधिगृहित की गई थी। उसी समय से क्षेत्रवासियों की हर्केखिंदि में मेंडिकल कलिंग बनाए जाने



सांसद धर्मवीर।

मुख्यमंत्री केंद्र को भेजें प्रस्ताव

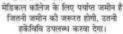
केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से पत्र संख्या स्-14017/55/2022-प्याहे-2 (8163527) के तहत 20 अप्रैल 2022 के हारा प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज रे तो इस मेदिकार कॉलेज का निर्माण जल्द हो स्थान है।

की मांग चली आ रही है। बीच में जिले के अंदर राज्य सरकार द्वारा मंडिकल कॉलेज बनाए जाने को चर्चा चली हो उस समय अवश्य नेताओं ने यहां मंडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठाई थी लेकिन अब वह मंडिकल कॉलेज 500 करोड़ रुपये से केरियाबास में बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा कीरियाबास में मंडिकल कॉलेज बनाए जाने की घोषणा पर लोग



स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग को लिखा गया पत्र। संबद

आगर हाकेवियि का बह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निश्वाएगी। हकेविविव के प्राप्त



-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।

हताश हो गए थे इसके बाद हकेंकिंक मेडिकल कॉलेज की मंग किसी भी नेता ने नहीं उठाई। महेंद्रगढ़-धिवानी लोकसधा सांसद चौधरी धर्मबीर मिंह ने 31 मार्च 2022 को आम बजट में मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठाया। यह मृद्दा उठने के बाद क्षेत्रवासियों को मेडिकल कॉलेज की दोबारा आस बंधी है। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ़ जाता है तो क्षेत्र लगभग श्री सुंडाराम ट्रस्ट ने की थी सांसद से मांग महेंद्रगढ़ः केंद्र सरकार ने गाट पानों केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को

महद्भाका कड़ सरकार न गाँद पाली व लंकर अपनी सैद्धांनिक मंत्रारी दी है। इस करे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक पत्र सांसद धर्मबीर सिंह को लिखा है। फिछले दिनों रूस और युक्रेम के बीच युद्ध शुरू होने पर खुक्रेम में मेंडिकल की पढ़ाई कर रहें देश के हजारी छात्री को वहां के किए पढ़ाई पूरी करना चुनीती बना हुआ है। महेंद्रगढ़ जिले के भी दर्जन पर ऐसे छात्र



निकाले गए थे। उन दिनों लोकसभा का सत्र भी चल रहा था। श्रें सुंदाशम ट्रस्ट के प्रधान संदीय मालदा ने सांसद धर्मचीर सिंह से मुलाकात कर एक पत्र सींचा था निसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिकल कॉलेन खीतने का अनुवंध किया गया था। संदीय मालदा ने बताया कि देश धर में 16 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं और सभी में अगर मीडिकल कॉलेन खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेंडिकल की पढ़ाई को बढ़ जाएंगे और बहुत से बच्चों को मू देश से बाहर मीडिकल को चढ़ाई करने नहीं जाना पड़ेगा। संदीय मालदा ने बताया कि सांसद धर्मचीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जाद पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिकल कॉलेन खोलने की सांग उदाई जिस पर अब केंद्र को तरफ से सैद्रांतिक मंत्री दी गई है। संवाद

250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इस फायदा मिलेगा।

प्रदेश सरकार को नहीं देनों होगी हिस्सेदारी, केवल सैद्धातिक मंजूरी की जकरतः सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बवाबा कि केंद्र सरकार से मैद्धातिक मंजूरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव चनाकर धेजन होगा। इसके लिए उनोंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मंडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी ओई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह पूरा प्रोजेक्ट केंद्र मरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी सैद्धांतिक मंजूरी देनी होगी। अगर राज्य सरकार सैद्धांतिक मंजूरी दे देती हैं तो केंद्र सरकार हरियाणा केंद्रीय जिद्धालय में मंडिकल कॉलेज स्थापित कर देगी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 11-05-2022

भास्कर खास • लोकसभा सांसद द्वारा सदन में मुद्दा उठाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य सरकार को जारी किया पत्र

केंद्रीय विवि में मेडिकल कॉलेज खोलने की केंद्र केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पत्र के साथ ही सांसद सरकार की पहल, अब गेंद राज्य सरकार के पाले में चौधरी धर्मबीर सिंह ने भी लिखा सीएम को पत्र

मस्कर न्यून विदेशह

केन्द्र साकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंतरी टी है। इस वारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जॉ. मनमाव मोडविया ने राज्य सरकार को पत्र लिख कर प्रस्ताम भेजने को कहा है। केंद्र की इस पहल के बाद सांखद धर्मबीर सिंह

ने भी मीएम को पत्र लिख कर ठकेंबि में मेरिकल कॉलेज के लिए प्रस्तात भिजवार जाने का अन्तेभ किया है। विवि के शुभारंभ से ही विश्वविद्यालय परिसर में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की मांग उठ रही है।

मौजदा प्रदेश सरकार के फलेक जिले

सामाजिक संगठनों ने सांसद को सौंपा था जापन

हकेंद्रिय में मेरिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर क्षेत्र की - में मेरिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। अनेक सामाजिक संगठनों की तरफ से सांसद चौधरी धर्मजीर सिंह व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामविलास शर्मा को जपन मीचे था है। पिछले दिनों रूम और यक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर वृक्षेत्र में मेडिकल की पढ़ाई कर खें भारत के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। उसके बाद से केजिंव में मेडिकल कॉलेज की मांग ने दोबारा में जोर पकड़ा। इस पर मुंदाराग ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालहा ने सांसद धर्मबीर पिंह से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा था। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय

मालझ ने बताया कि देश भर में 35 विविष् हैं। सभी में अब मेरिकान बॉनेज खोल दिया जाता है तो देश में अज़ारों मोंटें मेरिकाल की पहाई की खर जावेंसे और खरत से बच्चों को देश से बाहर मेडिकल की पहाई करने नहीं जान पहता। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसधा सत्र के दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेरिकल कोलेज खोलने की गांग उठही। जिस्सर अब बेंद्र की तरक से सैद्धातिक मंजूरी दी गई है। संदीप मालहा ने मांसद धर्मचीर सिंह का धन्यवाद व्यक्त किया है।

अधनी वीजन के तहत नार्त्नेल जिला. की मांग ने जोर पकड़ा था। सांसद सदन में उनके इस मुद्दे को उटाने के मुख्यालय के पास मेडिकल कॉलेन की धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सन के टीयन बाद अब केंद्र की तरफ से सैद्धातिक के निर्माण की लेकर एक बाद गेंद्र किया है कि राज्य सरकार इस बारे केंद्र मंजूरी के बाद महेंद्रगढ़ के लोगों की केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिकल मंजूरी दी है। राज्य सरकार को पत्र राज्य सरकार के पहले में आ गई सरकार को प्रस्ताय भेज। जिससे इस में एक मेरिकल करित कोलो की तरफ में यह होते में मेरिकल करित कोलेत होलेंद हो मंग को उत्पाप छ। पर देखेंद कि प्रमाल भेजने को कहा है। महिल भर्मीय प्रमाल के में मीप मामले को मिर्न करागा जा महे।

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की तरफ से सीएम मनोहरलाल को लिखे पत्र में कहा गया है कि महेंद्रगढ़ जिला में हरियाणा केन्द्रीय विशिवधालय पाली में घोषत मेडिकल कॉलेज के निर्माण का महा हाल ही में 31 मार्च को लोकसभा के बाजर सब में निवास 377 के तकत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समाध सवा था। जिसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को को पत्र भेजे कर प्रस्ताव पांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। मेरा निवेदन है कि हरियाण केन्द्रीय विशिवद्यालय पानी में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य स्थाकार की तरफ से एक प्रस्ताव बेंद्र सरकार को जल्द से जल्द भेजा जा। तकि इस पेडियल कॉलेज जल्द से जल्द निर्माण कराया जा सके।

है। इसमें हवेवि में मेडिकल कॉलेज मनोहरलाल को पत्र लिखकर निवेदन

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi Date: 11-05-2022

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज निर्माण को भेजा प्रस्ताव

तीन चरणों में देश में कुल 157 मेडिकल कॉलेज बनने हैं

हरिभूमि बयुज भग वास्बील

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के मुद्दे को संसद में उठाने के पश्चात सांसद धर्मबीर सिंह ने सीएम के नाम प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जल्द भिजवाने का अनुरोध किया है। इस्लेखनीय है कि महेंद्रगढ़ के जांट-पाली में वर्ष 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जन सिंह ने जब हकेंवि का उद्घाटन किया था, तब इस केंद्रीय विवि में एक मेडिकल कॉलेज भी खोले जाने की घोषणा की थी, लेकिन कमाल की बात है कि तबसे लेकर अब तक करीब सवा दशक लंबा समय बीत गया, लेकिन अब तक मेडिकल कॉलेज निर्माण में कोई इलचल नहीं हुई। शुरूआत में तो केविवि स्वयं की विल्डिंग को ही तरस गया था और इस विवि को भवन के अभाव में नारनील के बीएड कॉलेज में चलाया गया, जबकि प्रशासनिक भवन गुड़गांव से चला। काफी जद्दोजहद के बाद इस विवि का भवन निर्माण चला और कुछ हिस्सा बनने पर जांट-पाली में विवि की कशाएं एवं प्रशासनिक कार्यालय स्थानांतरित किए गए। इसी दौरान कई नए कोसं चालु भी चालु हुए, लेकिन मेडिकल



नारनील। केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

कोटो : इरिभी

राज्य सरकार को केंद्र को पत्र भेजने का अनुरोध

लंकड़ में लेकन के जान वह वो नह को पर मंजन है. जिसमें उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज मिन्नों के लिए गउंच स्मकल की और से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताय जान्य से जान्य मेजने का अनुनेश किया है। जब बेचना होगा कि गउंच सरकार केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताय मेजने में कितना समय लेवी है।

कॉलेज की बात कहीं दब गई, जिसे महेंद्रगढ़ के कुछ जागरूक लोगों ने सांसद धर्मबीर सिंह के सम्मुख रखा। सांसद ने इस मुद्दे को गत 31 मार्च संसद में प्रश्नकाल के दीरान उठाया और सरकार का ध्यान खिंचा। इसके जवाब में केंद्रीय स्वास्क्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया की ओर से एक पत्र सांसद धर्मबीर को गत 25 औंल को भेजा गवा, जिसमें उल्लेख किया गया है कि आपने महेंद्रगढ़ एवं

चरश्री दादरी में मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई गई है। इसकी जांच करवाने पर पता चला है कि इस मंत्रालय द्वारा केंद्र प्राचीजित एक योजना नामतः मौज्ञदा जिला/रेफरल अस्पताली से जडे नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना लाग की जा रही है। इसके तहत तीन चरणों में देश में कल 157 मेडिकल कॉलेज बनने हैं। पहले चरण में 58, दूसरे में 24 तथा तीसरे में 75 कॉलेज बनने हैं। हरियाणा में भिवानी जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार की ओर से महेंद्रगढ़ और चरखी दादरी जिलों के मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कोई प्रस्ताय प्राप्त नहीं हुआ है। यदि अगले चरण में बोजना का विस्तार हुआ तो उस पर जरूर विचार किया जाएगा। इसके अलावा महेंद्रगढ़ जिले में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में घोषित मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू करने के अनुरोध को हरियाणा सरकार के पास भेज दिवा गया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 13-05-2022

हकेंविवि में इको फ्रेंडली ई-रिक्शा की हुई शुरुआत

निर्धारित शुल्क देकर विवि परिसर में आवागमन कर सकेंगे विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच इको फ्रेंडली ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जाएंगे जिसकी शुरूआत की गई।

कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से विवि पिरसर में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सुविधा होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रेंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन



हकेंविवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 13-05-2022

हकेंवि में 5 इको-फ्रेंडली ई-रिक्शा शुरू

आवागमन में होगी सहूलियत, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी



हकेंवि में ई-रिक्शा की सवारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय करते हुए कहा महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की ई-रिक्शा इको फ्रैं सुविधा के लिए कुलपित प्रो. टंकेश्वर से होने वाले प्रदूष कुमार ने ई-रिक्शा की शुरुआत में मदद मिलेगी। की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व सुनील कुमार ने आगंतुकों को एक स्थान से दूसरे शुल्क देकर त स्थान पर आने-जाने के लिए 5 किया जा सकता

ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद फिलोगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 13-05-2022

हकेवि में इको-फ्रेंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत



हकेवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार 🏻 सी. संस्था

केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ परिसर में आवागमन की सुविधा को विकसित करने की आवश्यकता के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुहस्पतिवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों. शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा के माध्यम से कैंपस में एक भवन से दसरं भवन आने-जाने में सहलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रेंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि व कर्मचारी उपस्थित रहे।

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों महसस की जा रही थी।

> इसी प्रयास के अंतर्गत बहस्पतिवार से परिसर में ई-रिक्शा की सविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कलानशासक प्रो. प्रमोद कमार, प्रो. र्रजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डा. एपी शर्मा, डा. शांतेष कुमार सिंह, डा. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune Date: 13-05-2022

हकेवि महेंद्रगढ में चलेगा इको-फ्रैंडली ई रिक्शा

नारनौल (निस) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई बीपीएससी रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विवे के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवारतव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सिहत विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक द्रिब्यून Fri, 13 May 2022 https://epaper.dainiktribu

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Jagat Kranti</u> Date: 13-05-2022

हकेंवि में इको-फ्रैंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

जगत क्रान्ति ы ईश्वर तिवारी

महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय (हकेवि),
महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन
की सुविधा हेतु कुलपित प्रो.
टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को
पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की
शुरूआत की।
विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों,
शोधार्थियों, शिक्षकों,
कर्मचारियों व आगंतुकों के
एक स्थान से दूसरे स्थान पर

आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा के माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन मे आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी



प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 13-05-2022

हकेंवि में ईको-फ्रैंडली ई-रिक्शा की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 12 मई (मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितेषी ई-रिक्शा की शुरूआत की।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए 5 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कुलपात न इस सुजया की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक से दूसरे भवन में आने-जाने में सहूलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा ईको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. स्नील कुमार ने बताया कि



कुलपित ने इस सुविधा *हकेंवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार।*

विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 13-05-2022

हकेवि में इको-फ्रेंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ, सरोज यादव/महेश गप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ परिसर में आवागमन की सविधा हेत कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई-खिशा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कलपति ने इस सविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदेषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सविधा शरू की गई है। इस सविधा के अंतर्गत निर्धारित शल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो, दिनेश कमार, प्रो, सनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो, राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सनील कमार, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. शांतेष कमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, संदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 13-05-2022

मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर पांच । केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज जिले के 250 गांवों को होगा फायदा विस्वापित करने की वी सैद्धांतिक मंजूरी

केंद्र सरकार को नहीं खरीदनी होगी जमीन, नीट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए नहीं जाना होगा बाहर

प्रदीप शर्मा

नारनील। केंद्र सरकार ने हरियाणा केटीय विश्वविद्यालय(हकेविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब गेंद राज्य सरकार के पहले हैं।

अगर राज्य सरकार इसका प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेज देती है तो हकेंबिवि में जल्द ही मेडिकल कॉलेज की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर महेंद्रगढ़ से लगते रेवाडी, चरखी दादरी, भिवानी, इंझन जिले के लगभग 250 गांवों को फायदा मिलेगा। मरीजों को रोहतक. जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान मेडिकल की अच्छी सुविधा नहीं होने की वजह से प्रविदिन 300 से अधिक दसरे जिलों एवं राज्यों में जाते हैं। वहीं हादसे में घायलों रेफर किए जाने के बाद बीच राम्ते में दम लोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आएगी। इसके अलावा मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाने वाले विद्यार्थी अपने ही जिले में पढाई कर सकेंगे।

महेंद्रगढ हरियाणा में शिक्षा का हब, प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी करते नीट क्वालीफाई : प्रदेश में महेंद्रगढ शिक्षा का हब माना जाता है। बतौर पढाई के जिले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है।

इस क्षेत्र में बड़े-बड़े निजी शिक्षण संख्यान हैं। इन संख्यानों से पति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी नीट की परीक्षा क्वालीफाई करते हैं जो दूसरे राज्यों में जाकर एमबोबीएस, बीडीएस तथा बीएएमएस की पढ़ई करते हैं। अगर मेडिकल कॉलेज वहां स्थापित हो जाता मंजूरी दे दो है। (शंवध)



हरियाणा केद्रीय विश्वविद्यालय का भवन । संग

एक-दो दिन में करेंगे मुख्यमंत्री व स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात : रामबिलास मेरी पहले भी कौशिश रही थी कि

हकेंबिक में मंडिकल कॉलेज की स्थापना भी और अध भी है। एक से दिन में चंडीगढ जाकर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और मुख्यमंत्री मनोहर लाल मे

मलाकात करेंगे और इस प्रोजेक्ट की नीरदार पैरवी करेंगे। मेरी कीशिश रहेगी कि आईएमटी खुडाना एवं मेडिकल कॉलेज दोनों का एक साथ उद्घाटन करवाया जाए। मुख्यमंत्री पर हमें भरोसा है कि वो इस प्रोजेक्ट की सैद्धारिक मंजूरी दे देंगे।

है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों में डाक्टर की पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होगी, उनको वह सुविधा यहीं मिल

केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक

कई गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे रैकिंग में पिछड़ कार्त हैं जिससे उनका

प्रवेश सरकारी कॉलेज में नहीं हो पाला। प्राइवेट कॉलेज की फीस परिजन वहन नहीं कर

सकते। ऐसे में उनका डॉक्टर बनने का सपना अभूरा रह जाता है। - अन्नु



नहीं जाना पड़ेगा। -रजत, विद्यार्थी, हैची स्कृतः।

महेंद्रगढ से दूर पड़ने वाले मेडिकल कॉलेज

110 किलोमीटर 190 किलोमीटर 100 किलोमीटर 135 किलोमीटर

मेडिकल के छात्र बोले

हकेंबिय में मेडिकल कॉलेज बनना चाहिए इससे मेडिकल में मोटे with str familia को प्रवेश भी मिलेगा। साथ ही क्षेत्र की व्यास्थ्य सुविधाएं भी

कर रहे हर विद्यार्थी का

सपना डॉक्टर बनने का

होता है और वह परे

वर्ष उसके लिए काफी

मेहनत भी करता है

लेकिन रेकिंग ठीक नहीं

वदेगी। -यश यादव विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।



धोलेकर पर अपनी सैंद्रालिक मंत्रते देनी आनी चाहिए। मेडिकल करेंनेज बनने के बाद क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल को पढ़ाई के शिप बाहर नहीं जाना

सीटें कम रहने की

करत से नीट की परीक्ष

में रिकंग पाना बड़ा

परिकल होता है। जिस

वजह में कई विशासी

दों से तीन प्रवास में भी

सफल नहीं हो पते.

उनका चिकित्सक बनने

प्रदेश सरकार को इस



परेग : - नेता विशासी आस्पीएम स्वरन।



वर्ष दोबारा से तैयारी करनी पड़ती थी। -श्रीयुक्ता गौड़ विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।



भाने की खतार में गा तो उसका होता नहीं या फिर कॉलेज अच्छा नहीं फिल पाला जिससे बह हलेसहित हो गाता है। -अनिज्ञ कुमार, विद्यार्थी, हैप्पी स्कृता

नीट की परिवा में 80 प्रतिशत राज्य का कोटा

होता है। अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो किद्याधियों को तम कोर का फायरा मिलेश और अपने ही



जिले में सक्तर डॉक्टर बनने का सपना साकार कर सकेने। -केशब विद्यार्थी हैची स्कूल।

का सपना अध्य सह जाता है। -आयुष्मान विद्यार्थी, आस्पीएस स्कूल।

नहीं खरीदनी होगी जमीन : अगर हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की मंजुरे मिल जाती है तो केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत कवट का फायदा हो जाएगा। केंद्र सरकार को कॉलेज के लिए जमीन एक्खपर करने की आवश्यकता नहीं होगी। हकेशिवि में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त मात्रा में जमीन है। अगर दूसरी जगह बनाते हैं तो करोड़ों रुपये की जमीन खरीदनी पड़ती है। खास बात यह है कि प्रदेश सरकार को इस पर एक रुपाय खर्चा नहीं करना पड़ेगा केवल उनको सैद्धांतिक मंजुरी देनी है। विवि प्रशासन पहले ही हर संधव मदद और जमीन दिए जाने का आह्वासन दे चुका है।

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

भारत अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा और विकासात्मक निर्माण पर केंद्रित करेः डा. केतकर

आई.सी.एस.एस.आर. को भेजी जाएगी संगोद्धी की रिपोर्ट

महेंद्रगढ, 14 मई (परमजीत, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे चरण की शरूआत जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रूप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद



हकेंवि में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आई.सी.एस.एस.आर. को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सैंक्योरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस. पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कटटरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बंगलादेश में प्रसारित हो रही कटटरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेत् संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगाहैतथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की बात करता है।

तालिबान द्वारा की गई प्रैस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीम राव अम्बेड कर विश्वविद्यालय, लखनऊ सेप्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर परिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया ने विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

साथ ही उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस 2 दिवसीय संगोष्टी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश खला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय में 40 से अधिक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। वहीं 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तृत किए। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान

विभाग तथा लदुदाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोध्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डॉ. केतकर ने

की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि यह उल्लेखनीय आयोजन रहा। कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर कुलपति व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सेक्युरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मित एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कटटरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार



हकेंविवि में डॉ. शांतेष कुमार सिंह द्वारा संपादित पुस्तक का किया गया विमोचन। संवाद

सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र

व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अमित को संतुलित करने के लिए संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

> डॉ. अमित कमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व

देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपर्ण सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिप् सुदान सिंह तथा मनोहर परिंकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. अशोक के. बेहरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तृत किए। समापन सत्र में मख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर पकाश डाला।

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्टी का शुभारम्भ

नारनौल (नि.स) : केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लहास्व एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समस्रामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफ्रगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। अशोजन में सम्मिलत विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपरिथत रहे।

देनिक ट्रिब्यून Sat, 14 May 2022 https://epaper.dainiktribune



'काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण'

संगोष्ठी में अफगानिस्तान में बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने तालिबानी के काबल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

संगोध्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। उन्होंने कहा कि हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश - दुनिया पर पड़ने वाले



हकेंविवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन आलोक बंसल को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

प्रभावों को जानने और समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने संगोष्ठी के विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ

हकेविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कमार सिंह ने प्रस्तुत की। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के प्रो. संजय और श्रीवास्तव गुजरात विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहगुणा ने अफगानिस्तान में बदले हालातों और इसमें अमेरिका की भिमका और इसके हितों की चर्चा की। वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पडने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढते संबंधों पर भी चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Eco-friendly e-rickshaw service started at CUH

TITCorrespondent info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: For the convenience of transportation within the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh campus. Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar on Thursday launched eco-friendly e-rickshaw service. Five e-rickshaws are being made available for the movement of students, research scholars, teachers, staff and visitors from one place to another within the University. While inaugurating this facility, the Vice Chancellor said that through this facility, there will be ease in commuting from one building to another in the campus and the battery based e-rickshaw being eco-friendly will also help in reducing pollution. Prof. Sunil Kumar, Registrar said that



the need was felt to develop ecofriendly alternatives of transport for commuting within the University. Under this effort, the facility of e-rickshaw has been started in the campus from Thursday. Under this facility, travelling can be done on the fixed route by paying the prescribed fee. On this occasion along with the Dean Academics of the University Prof. Dinesh Kumar, Prof. Sunita Srivastava, Controller of Examinations Prof. Rajiv Kaushik, Dean Student Welfare Prof. Anand Sharma, Proctor Prof. Pramod Kumar, Prof. Ranjan Aneja, Prof. Sunil Kumar, Dr. A.P. Sharma, Dr. Shantesh Kumar Singh, Dr. Dinesh Chahal, Radheshyam, Sunder Lal Sharma, other faculty members and staff of the University were present.

हकेवि महेंद्रगढ़ में चलेगा इको-फ्रैंडली ई रिक्शा

नारनौल (निस) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई बीपीएससी रिक्शा की शुरूआत की । विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहित्यत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

देनिक द्रिब्यून Fri, 13 May 2022 https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में 5 इको-फ्रैंडली ई-रिक्शा शुरू

आवागमन में होगी सहूलियत, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी



हकेंवि में ई-रिक्शा की सवारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ई-रिक्शा की शुरुआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए 5 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेंविवि में इको फ्रेंडली ई-रिक्शा की हुई शुरुआत

निर्धारित शुल्क देकर विवि परिसर में आवागमन कर सकेंगे विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच इको फ्रेंडली ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जाएंगे जिसकी शुरूआत की गई।

कुलपित ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से विवि पिरसर में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सुविधा होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेत परिवहन



हकेंविवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सिंहत विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर पांच । केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज जिले के 250 गांवों को होगा फायदा विस्हातिक मंजूरी

केंद्र सरकार को नहीं खरीदनी होगी जमीन, नीट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए नहीं जाना होगा बाहर

प्रदीप शर्मा

नारनौल। केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजुरी दे दी है। अब गेंद राज्य सरकार के पाले हैं।

अगर राज्य सरकार इसका प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेज देती है तो हकेंबिवि में जल्द ही मेडिकल कॉलेज की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर महेंद्रगढ़ से लगते रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी, झुंझुनू जिले के लगभग 250 गांवों को फायदा मिलेगा। मरीजों को रोहतक. जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान मेडिकल की अच्छी सुविधा नहीं होने की वजह से प्रतिदिन 300 से अधिक दूसरे जिलों एवं राज्यों में जाते हैं। वहीं हादसे में घायलों रेफर किए जाने के बाद बीच रास्ते में दम तोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आएगी। इसके अलावा मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाने वाले विद्यार्थी अपने ही जिले में पढाई कर सकेंगे।

महेंद्रगढ हरियाणा में शिक्षा का हब, प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी करते नीट क्वालीफाई : प्रदेश में महेंद्रगढ शिक्षा का हब माना जाता है। बतौर पढ़ाई के जिले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है।

इस क्षेत्र में बड़े-बड़े निजी शिक्षण संस्थान हैं। इन संस्थानों से प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी नीट की परीक्षा क्वालीफाई करते हैं जो दसरे राज्यों में जाकर एमबीबीएस, बीडीएस तथा बीएएमएस की पढ़ाई करते हैं। अगर मेडिकल कॉलेज यहां स्थापित हो जाता



हरियाणा केद्रीय विश्वविद्यालय का भवन । संवाद

एक-दो दिन में करेंगे मख्यमंत्री व स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात : रामिबलास मेरी पहले भी कौशिश रही थी कि

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो और अब भी है। एक दो दिन में चंडीगढ जाकर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और मख्यमंत्री

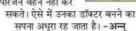


मुलाकात करेंगे और इस प्रोजेक्ट की जोरदार पैरवी करेंगे। मेरी कौशिश रहेगी कि आईएमटी खुडाना एवं मेडिकल कॉलेज दोनों का एक साथ उदघाटन करवाया जाए। मुख्यमंत्री पर हमें भरोसा है कि वो इस प्रोजेक्ट की सैद्धांतिक मंज्री दे देंगे।

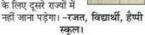
है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों में डाक्टर की पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होगी, उनको वह सविधा यहीं मिल

केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजुरी दे दी है। (संवाद)

कई गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे रैंकिंग में पिछड जाते हैं जिससे उनका प्रवेश सरकारी कॉलेज में नहीं हो पाता। प्राइवेट कॉलेज की फीस परिजन वहन नहीं कर



जिला शिक्षा का हब है। इस क्षेत्र से प्रति वर्ष 100 विद्यार्थी नीट क्वालीफाई करते हैं। ऐसे क्षेत्र में तो मेडिकल कॉलेज बहुत आवश्यक है। इससे उनको पढाई के लिए दूसरे राज्यों में



महेंद्रगढ़ से दूर पड़ने वाले मेडिकल कॉलेज

110 किलोमीटर 190 किलोमीटर गरुग्राम 100 किलोमीटर 135 किलोमीटर

मेडिकल के छात्र बोले

प्रदेश सरकार को इस

प्रोजेक्ट पर अपनी

सैंद्धांतिक मंजुरी देनी जानी चाहिए। मैडिकल

कॉलेज बनने के बाद

सीटें कम रहने की

में रैंकिंग पाना बडा

वजह से कई विद्यार्थी

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनना चाहिए। इससे मेडिकल में सीटें बढेंगी और विद्यार्थियों को प्रवेश भी मिलेगा। साथ ही क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढेंगी। -यश यादव

मेडिकल कॉलेज

खुलने से सीटें बढेंगी,

ऐसे में उन विद्यार्थियों

को फायदा होगा

जिनका कुछ नंबर कम

रहने पर एडिमशन नहीं

हो पाता था. उन्हें एक

वर्ष दोबारा से तैयारी

मेडिकल की पढाई

कर रहे हर विद्यार्थी का

सपना डॉक्टर बनने का

होता है और वह पूरे

वर्ष उसके लिए काफी

मेहनत भी करता है

लेकिन रेकिंग ठीक नहीं

आने की वजह से या



क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पडेगा। - नेहा, विद्यार्थी, आरपीएस स्कल।

विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।



करनी पड़ती थी। -श्रीयक्ता गौड विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।

दो से तीन प्रयास में भी सफल नहीं हो पाते, उनका चिकित्सक बनने का सपना अधूरा रह जाता है। -आयुष्मान



तो उसका होता नहीं या फिर कॉलेज अच्छा नहीं मिल पाता जिससे वह हत्तोसाहित हो जाता है। -अनिश कुमार, विद्यार्थी, हैप्पी

नीट की परीक्षा में 80 प्रतिशत राज्य का कोटा होता है। अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विद्यार्थियों को उस कोटे का फायदा मिलेगा और अपने ही

> जिले में रहकर डॉक्टर बनने का सपना साकार कर स्केंगे। -केशव विद्यार्थी हैप्पी स्कूल।

नहीं खरीदनी होगी जमीन : अगर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की मंजरी मिल जाती है तो केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत बजट का फायदा हो जाएगा। केंद्र सरकार को कॉलेज के लिए जमीन एक्वायर करने की आवश्यकता नहीं होगी। हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त मात्रा में जमीन है। अगर दूसरी जगह बनाते हैं तो करोड़ों रुपये की जमीन खरीदनी पड़ती है। खास बात यह है कि प्रदेश सरकार को इस पर एक रुपया खर्चा नहीं करना पड़ेगा केवल उनको सैद्धांतिक मंजूरी देनी है। विवि प्रशासन पहले ही हर संभव मदद और जमीन दिए जाने का आश्वासन दे चुका है।











रोहतक -महेन्द्रगढ़ 11 May 2022

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज निर्माण को भेजा प्रस्ताव

तीन चरणों में देश में कुल १५७७ मेडिकल कॉलेज बनने हैं

हरिभूमि न्यूज 🕪 नारनौल

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के मुद्दे को संसद में उठाने के पश्चात सांसद धर्मबीर सिंह ने सीएम के नाम प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जल्द भिजवाने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि महेंद्रगढ़ के जांट-पाली में वर्ष 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जन सिंह ने जब हकेंवि का उद्घाटन किया था, तब इस केंद्रीय विवि में एक मेडिकल कॉलेज भी खोले जाने की घोषणा की थी, लेकिन कमाल की बात है कि तबसे लेकर अब तक करीब सवा दशक लंबा समय बीत गया. लेकिन अब तक मेडिकल कॉलेज निर्माण में कोई हलचल नहीं हुई। शुरूआत में तो केंविवि स्वयं की बिल्डिंग को ही तरस गया था और इस विवि को भवन के अभाव में नारनौल के बीएड कॉलेज में चलाया गया, जबकि प्रशासनिक भवन गुडगांव से चला। काफी जद्दोजहद के बाद इस विवि का भवन निर्माण चला और कुछ हिस्सा बनने पर जांट-पाली में विवि की कक्षाएं एवं प्रशासनिक कार्यालय स्थानांतरित किए गए। इसी दौरान कई नए कोर्स चालु भी चालु हुए, लेकिन मेडिकल



नारनौल। केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

फोटो: हरिभूमि

राज्य सरकार को केंद्र को पत्र भेजने का अनुरोध

सांसद ने सीएम के नाम गत नौ मई को पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का अनुरोध किया है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने में कितना समय लेती है।

कॉलेज की बात कहीं दब गई, जिसे महेंद्रगढ़ के कुछ जागरूक लोगों ने सांसद धर्मबीर सिंह के सम्मुख रखा। सांसद ने इस मुद्दे को गत 31 मार्च संसद में प्रश्नकाल के दौरान उठाया और सरकार का ध्यान खिंचा। इसके जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया की ओर से एक पत्र सांसद धर्मबीर को गत 25 अप्रैल को भेजा गया, जिसमें उल्लेख किया गया है कि आपने महेंद्रगढ़ एवं

चरखी दादरी में मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई गई है। इसकी जांच करवाने पर पता चला है कि इस मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रायोजित एक योजना नामतः मौजुदा जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना लागू की जा रही है। इसके तहत तीन चरणों में देश में कल 157 मेडिकल कॉलेज बनने हैं। पहले चरण में 58, दूसरे में 24 तथा तीसरे में 75 कॉलेज बनने हैं। हरियाणा में भिवानी जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज को मंजुरी दी गई है। राज्य सरकार की ओर से महेंद्रगढ़ और चरखी दादरी जिलों के मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। यदि अगले चरण में योजना का विस्तार हुआ तो उस पर जरूर विचार किया जाएगा। इसके अलावा महेंद्रगढ जिले में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में घोषित मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू करने के अनुरोध को हरियाणा सरकार के पास भेज दिया गया।

<mark>भारकर खास • लोकसभा</mark> सांसद द्वारा सदन में मुद्दा उठाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य सरकार को जारी किया पत्र

में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था।

मालड़ा ने बताया कि देश भर में 16 विवि हैं। सभी में

अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में

हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जायेंगी और बहुत

से बच्चों को देश से बाहर मेडिकल की पढ़ाई करने नहीं

जाना पड़ता। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के

दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल

कॉलेज खोलने की मांग उठाई। जिसपर अब केंद्र की

तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। संदीप मालड़ा ने

केंद्रीय विवि में मेडिकल कॉलेज खोलने की केंद्र केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पत्र के साथ ही सांसद या सरकार की पाले में वीधरी धर्मबीर सिंह ने भी लिखा सीएम को पत्र

भारकर न्यज महेंद्रगढ

केन्द्र सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजुरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राज्य सरकार को पत्र लिख कर प्रस्ताव भेजने को कहा है। केंद्र की इस पहल के बाद सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम को पत्र लिख कर हकेंवि में मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्ताव भिजवाए जाने का अनुरोध किया है।

विवि के शुभारंभ से ही विश्वविद्यालय परिसर में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की मांग उठ रही है। मौजुदा प्रदेश सरकार के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की सामाजिक संगठनों ने सांसद को सौंपा था जापन

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर क्षेत्र की अनेक सामाजिक संगठनों की तरफ से सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपे गए हैं। पिछले दिनों रूस और युक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारत के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। उसके बाद से केबिबि में मेडिकल कॉलेज की मांग ने दोबारा से जोर पकडा। इस पर सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा था। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय

अपनी योजना के तहत नारनौल जिला की मांग ने जोर पकड़ा था। सांसद सदन में उनके इस मुद्दे को उठाने के मख्यालय के पास मेडिकल कॉलेज की मंजरी के बाद महेंद्रगढ़ के लोगों की केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल मंजरी दी है। राज्य सरकार को पत्र भेज तरफें से यह हकेंबि में मेडिकल कॉलेज कॉलेज खोलने की मांग को उठाया था। पर इसके लिए प्रस्ताव भेजने को कहा

धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान

बाद अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की तरफ से सीएम मनोहरलाल को लिखे पत्र में कहा गया है कि महेंद्रगढ़ जिला में हरियाणा केन्द्रीय विश्विद्यालय पाली में घोषित मेडिकल कॉलेज के निर्माण का मुद्दा हाल ही में 31 मार्च को लोकसभा के बजट सत्र में नियम 377 के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा था। जिसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को को पत्र भेजे कर प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। मेरा निवेदन है कि हरियाणा केन्द्रीय विशिवद्यालय पाली में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य सरकार की तरफ से एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द से जल्द भेजा जाए। ताकि इस मेडिकल कॉलेज जल्द से जल्द निर्माण कराया जा सके।

है। इससे हकेंवि में मेडिकल कॉलेज मनोहरलाल को पत्र लिखकर निवेदन के निर्माण को लेकर एक बाद गेंद फिर राज्य सरकार के पाले में आ गई है। सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम मामले को सिरे चढाया जा सके।

किया है कि राज्य सरकार इस बारे केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे। जिससे इस

सांसद धर्मबीर सिंह को धन्यवाद व्यक्त किया है।

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

अब प्रदेश सरकार को स्वीकृति देकर केंद्र को भेजना होगा प्रस्ताव

प्रदीप शर्मा

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब प्रदेश सरकार को स्वीकृति देकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजना होगा। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को प्रस्ताव मांगा था।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पत्र जारी कर दिया है। इसके बाद उन्होंने 9 मई को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार की ओर से प्रदेश सरकार को नहीं देनी होगी हिस्सेदारी

सांसद ने बताया कि केंद्र सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह पूरा प्रोजेक्ट केंद्र सरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी मंजूरी देनी होगी। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ़ जाता है तो क्षेत्र के लगभग 250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इसका फायदा मिलेगा। केंद्रीय विवि की आधारशिला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी।



अगर यह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निभाएंगे। हकेंविवि के पास मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त जमीन है। -प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं, हकेंविवि के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो

विवि की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को शीघ्र भेज दे तो मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। (संवाद)

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

सांसद ने लोकसभा में उठाई थी आवाज, अब प्रदेश सरकार को देनी होगी मंजूरी, केंद्र सरकार को भेजना होगा प्रस्ताव

संवाद न्युज एजेंसी

महेंद्रगढ/नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसख मांडविया ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को लेटर भी जारी कर दिया है। उन्होंने लेटर के माध्यम से बताया कि 20 अप्रैल को हकेंबिवि महेंद्रगढ़ में घोषित मेडिकल कॉलेज के लिए उचित कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार को भेज

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 9 मई को सुबे के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं हकेंविवि के कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विवि की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधारशिला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी। उस समय हकेंविवि को बनाने के लिए गांव जांट पाली की 488 एकड पंचायती जमीन अधिगृहित की गई थी। उसी समय से क्षेत्रवासियों की हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने



सांसद धर्मवीर।

मुख्यमंत्री केंद्र को भेजें प्रस्ताव

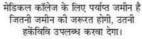
केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से पत्र संख्या य-14017/55/2022-एमई-2 (8163527) के तहत 20 अप्रैल 2022 के द्वारा प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है।

की मांग चली आ रही है। बीच में जिले के अंदर राज्य सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की चर्चा चली तो उस समय अवश्य नेताओं ने यहां मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठाई थी लेकिन अब वह मेडिकल कॉलेज 500 करोड रुपये से कोरियावास में बनाया जा रहा है। मख्यमंत्री द्वारा कोरियावास में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की घोषणा पर लोग



स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग को लिखा गया पत्र। संवाद

🌈 अगर हकेंविवि का यह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निभाएगी। हकेंविवि के पास



श्री सुंडाराम ट्रस्ट ने की थी सांसद से मांग

लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक पत्र सांसद धर्मबीर सिंह को लिखा है। पिछले दिनों रूस और युक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर युक्रेन में मेडिकल

की पढ़ाई कर रहे देश के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। अब उन छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करना चुनौती बना हुआ है। महेंद्रगढ़ जिले के भी दर्जन भर ऐसे छात्र

निकाले गए थे। उन दिनों लोकसभा

का सत्र भी चल रहा था। श्री सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मलाकात कर एक पत्र सौंपा था जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। संदीप मालडा ने बताया कि देश भर में 16 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं और सभी में अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जाएंगी और बहुत से बच्चों को यूं देश से बाहर मेंडिकल की पढ़ाई करने नहीं जाना पड़ेगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग उठाई जिस पर अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंज़री दी गई है। संवाद



-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।

हताश हो गए थे इसके बाद हकेंविवि मेडिकल कॉलेज की मांग किसी भी नेता ने नहीं उठाई। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 31 मार्च 2022 को आम बजट में मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठाया। यह मुद्दा उठने के बाद क्षेत्रवासियों को मेडिकल कॉलेज की दोबारा आस बंधी हैं। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ जाता है तो क्षेत्र लगभग 250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इस फायदा मिलेगा।

प्रदेश सरकार को नहीं देनी होगी हिस्सेदारी, केवल सैद्धांतिक मंजरी की जरूरतः सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार से सैद्धांतिक मंजुरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना होगा। इसके लिए उन्होंने मख्यमंत्री मनोहर लाल को

पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह परा प्रोजेक्ट केंद्र सरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी सैद्धांतिक मंज़री देनी होगी। अगर राज्य सरकार सैद्धांतिक मंज़्री दे देती है तो केंद्र सरकार हरियाणा केंद्रीय विद्यालय में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर देगी।



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस



महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ़ में युध रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यूनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-युक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): ह रियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देशय देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध

यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि

प्रो. टकेश्वर कुमार 🏻

की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के

विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी इयूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।



स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा . दिनेश चहल 🛎 सी. संस्था

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.



टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थित में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरुरी: ओपी यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंदगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहत



कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मिछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपित प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा निर्देशन कुलपति के विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालडा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Seminar on Extremism in Afghanistan and its Impact on India & Asian Region

Newspaper: Amar Ujala Date: 14-05-2022

'काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण'

संगोष्ठी में अफगानिस्तान में बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

संवाद न्यज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंदगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लदुदाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने तालिबानी के काबल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

संगोध्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामियक है। उन्होंने कहा कि हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश - दनिया पर पडने वाले



हकेंविवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन आलोक बंसल को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

प्रभावों को जानने और समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने संगोष्ठी के विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ

हकेविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ राभारंभ

विश्वविद्यालय के कलगीत के साथ हुआ। शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कमार सिंह ने प्रस्तुत की। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने अफगानिस्तान में बदले हालातों और इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढते संबंधों पर भी चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तृत किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 14-05-2022

अफगानिस्तान : भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

संवाद सहयोगी महेंद्रगढ: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियाँ के परिणामस्वरूप भारत व पशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रधावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्डी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित तथा लहाख एवं जम्म कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हकेंवि में आयोजित इस संगोध्टी के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हए विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश-दनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी।

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान हारा आयोजित इस दो दिवसीय



हकेवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी के उद्घाटन सत्र को संवोधित करते कैप्टन आलोक बंसल 🏿 सौ. संस्था

संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डा. शंतोष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डा. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विधिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है, जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ, विभिन्न विवि व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

परिणाम प्राप्त कर पाना मश्किल है। पहले दिन आयोजित उदघाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका निधि बहगणा ने प्रतिभागिता की तथा अफगानिस्तान में बदले हालात इसमें अमेरिका की भमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। साथ ही डा. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस आयोजन में विभिन्न विवि व शिक्षण संस्थानी से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डा. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता. विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune Date: 14-05-2022

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

नारनीत (निस): केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अपगानिस्तान की बदली परिश्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विद्यान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्यस्व एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। अधोजन में समिमलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 14 May 2022 https://epaper.dainiktribune

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Haribhoomi</u> Date: 14-05-2022

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुमारंम

अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों पर किया गहन मंथन

हरिसूनि ब्यूज 🛏 सहेदवाड़

हरेनाम्य केंद्रीय विश्वविद्यालय में अक्त्यनिस्तान की बदली प्रतिस्थिति के प्रतिमानवरूप भारत व पत्तिमाई देशों पर हो तो इसके प्रधान परिवृद्धिक विद्यानिक पहिला संगिति की दुस्कात मुख्यान हिंदि भारतीय प्रधान केंद्रिया विद्यानिक पितान अनुसंधान परिवृद्ध (आईसीयनपरम्भाग) हिंद्य प्राचीवत क्या लग्नात पूर्व अम्मू कंट्यीर अध्यावन केंद्र के सामग्रेय से हिंद्याण केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोति के उद्धादन सत्र के स्थितिक करते हुए विश्वविद्यालय केंद्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोति के उद्धादन सत्र के स्थानिक विद्यान केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थानिक केंद्रीय विश्वविद्यालय केंद्रीय केंद्रियाल केंद्रियालय केंद्रीय केंद्रियालय केंद्रीय केंद्रियालय केंद्रीय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय के निदेशक केंद्रियालय केंद्रियालय के निदेशक केंद्रियालय केंद्रियालय के निदेशक केंद्रियालय केंद्रियालय के निदेशक केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय के निदेशक केंद्रियालय केंद्रियालयालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालय केंद्रियालयालय केंद्रियालय केंद्रियालयालय केंद्रियालयालयाल

हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल

कल्पित ने किया संबोधित

क्रिक्टीकार के उरावधी कहान हुआ अवस्थित कर में विकास कार्याच का सुकार में प्रकार के में विकास कार्याच का सुकार में प्रकार के मार्च सुकार में उसाय साथ दिसा कर्यका की सुकार में उसाय कार दिसा के उद्धावन हो सोग पुस्त कर में प्रमुग किया इससे प्रकार असीत में का प्रमुग सी। किस्टीकार पुरुष में में में प्रमुग सी। किस्टीकार पुरुष में प्रकार कारों पुरुष के कि असी में प्रकार प्रकार कारों पुरु कर कि असी में प्रकार में में असीत के कार्य असीत की स्थापन कार्य में असी असीत का आपका मिला और असीता के प्रकार के स्थाप प्रमुग की आसी



भारत की विदेश नीति की जानकारी दी

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times Date: 14-05-2022

TWO-DAY NATIONAL SEMINAR STARTS AT CUH

SanjayKumar info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: A

two-day national seminar focusing on Extremism in Afghanistan and its Impact on India and Asian region inaugurated at Central University of Harvana (CUH), Mahendragarh. While addressing the inaugural session of the seminar sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and organized in collaboration with the Center for the Study of Ladakh and Jammu and Kashmir Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH said that this semina will help us to understand the causes of the changed situation in Afghanistan and its impact on the country as well as on the world. The experts involved in the event will definitely help in calming the various curiosities of the participants towards this topic, Capt. Alok Bansal, Director, India Foundation and keynote speaker of the seminar said that social science is a subject in which changes are seen in the results in accordance with the circum-



WHILE ADDRESSING THE INAUGURAL SESSION OF THE SEMINAR SPONSORED BY THE INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH (ICSSR) AND ORGANIZED IN COLLABORATION WITH THE CENTER FOR THE STUDY OF LADAKH AND JAMMU AND KASHMIR PROF. TANKESHWAR KUMAR, VICE-CHANCELLOR

stances. It is difficult to achieve the same results at every level. He also pointed to the changing situation in Afghanistan and its implications for India and Asia. In addition to the inaugural session held on the first day, Prof. Sanjay Srivastava from Banaras Hindu University and Prof. Manish from Central University of Gujarat and writer Ms. Nidhi Bahuguna participated in other sessions. Researchers from various universities and educational institutes also presented their research

papers at this event. At the end of the program Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science presented the vote of thanks. Deans of various Schools of the University, HoDs, faculty members, students and researchers were present on this occasion. At the beginning of the program, Dr. Shantesh Kumar Singh, Associate Professor presented the welcome address. The Outline was presented by the Organizing Secretary Dr. Rajeev Kumar Singh.

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 14-05-2022

हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का शुभारम्भ

अफगानिस्तान की बदली <mark>परिस्थितियों</mark> के भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़, 13 मई (परमजीत. मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शरूआत शक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई. सी. एस. एस. आर.) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोध्ठी के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है।

हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोध्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंडिया फाऊंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस 2 दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन। कार्यक्रम की शुरूआत





हकेंवि में राष्ट्रीय संगोध्टी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (दाएं) कैप्टन आलोक बंसल।

अफगानिस्तानकी मौजूदा परिस्थितियों व जिम्मेदार कारणों पर डाला प्रकाश

संगोध्दी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है।

एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी

में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोध्टी की रूपरेखा आयोजन इशारा किया।

उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्यही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों और उसके लिए जिम्मेदार कारणों पर भी प्रकाश डाला।

सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कलपति प्रो

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वरकुमारने विषयकी गंभीरता

चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर की चर्चा

पहलेदिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरत केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने प्रतिभागिता की तथा अफगानिस्तान में बदले हालातों, इसमें अमरीका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला।

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने-समझने का साथ ही डॉ. मनीय ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीतिविज्ञान विभागके विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थों व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आई.सी.एस.एस.आर. के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 14-05-2022

अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों से भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

महेंद्रगढ, प्रवीण कमार (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में की बदली अफगानिस्तान परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी की शरूआत शक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएस एसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लददाख एवं जम्म कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति



प्रतिभागियों को विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआवार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोध्ते की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय को गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। संगोध्ती के मुख्य कता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का हुआ शुभारम्भ

पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवत्रन देखने को मिलता है।

एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों और उसके लिए जिम्मेदार कारणों पर भी प्रकाश डाला।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 15-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

विश्वविद्यालय में 40 से अधिक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे प्रभावों पर केंद्रित ले हिन्तसीय मधीय संगोधनी का अभिनार को समापन हो गया। वहीं 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लददाख एवं तम्मु कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिचट (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोधी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. आरुपि केतकर द्वारा की गई। डॉ. केतकर ने तालिबान को कट्टरपंधी प्रवृत्ति की चर्चा

की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उल्लेखनीय आयोजन रहा। कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर कुलपति व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा में डॉ. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉनट्डिशनल सेक्युरिटी कन्सर्ने इन इंडिया का विमोचन किया। संगोध्डी में वक्त डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार



हकेंबिवि में डॉ. शांतेष कुमार सिंह द्वारा संपादित पुस्तक का किया गया विमोचन। संबद

व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अमित को संतुलित करने के लिए संभावित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाबिद् भी कार्यक्रम रणनीतियों की चर्चा की। में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियाँ

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकाग्रेत्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के अधिकरण के परचात पहली बार कोई शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व

देने लगा है तथा वह अन्य गुष्ट्रों से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान इरा की गई प्रेस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिप सद्यान सिंह तथा मनोहर परिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. अशोक के. बेहरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

15 विशेषज्ञें ने विषय के विभिन्न पक्षे पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागी में विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रे. चिंतामणि महापात्र ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर प्रकास दाला।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 15-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा पर केंद्रित करना चाहिए : डॉ. केतकर कहरफेर्व प्रकृति की चर्चा करते हुए प्रयासकरेंगे कि इस अयोजनकी रिपोर्ट विश्वविकालय के डॉ. सतीश कुमार व विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डॉ.

मास्कर न्यूज महिद्यह

तकेवि, महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितची के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोप्ती का शनिवार को समापन हो गगा। विश्वविद्यालय के ग्रननीतिक विज्ञान विभाग तथा लहाख एवं जम्म कश्मीर अध्वयन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (अईसीएसएसअर) प्राचीनत (अइसाएसएसआर) प्राचानित राष्ट्रीय संगोध्ही के दूसरा चरण जवाहर लल नेहरू विश्वविद्यालय की डी. आरुष्टि केतकर द्वारा की गई।

र्खें. केतकर ने तालिबान की

चमार्था राज्या के रहिला प्रतिता (महत रूप से भारत) पर प्रभावी पर प्रकाश द्वाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधन का निक्र करते हुए उन्होंने मुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-नियांण पर केंद्रित करना चरिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टेकेशवर कुमार ने कहा कि इस वक्ताओं ने विभिन्न पूर्वो पर प्रकाश हाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन उपयोगी सामित होगा।

प्री. टेकेश्वर कुमार ने कहा कि हम - इसी क्रम में इंदिश गांधी राष्ट्रीय मुक्त - मनोहर- परिकर - रक्ष - अध्ययन- एवं - ऑपवादन किया गया।

तैकर कर इसे आई सीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कलावति हो, टेकेश्वर कुमार व समयन सत्र में मुख्य अंतिध प्रोधितमणि महायात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह को सम्पादित पुस्तक गीन के राजनीतिक और समाजिक ट्रीडशनल सेक्युरिटी कन्सन इन इंडिया अधिकारों के शोषण तथा अध्यवस्थित का विमोचन किया। संगोध्डी में कस्ता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर आयोजन में शामिल सभी विशेषत्र इसके प्रभाव विषय पर व्यक्तवान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही अन्दरपंत्री विचारधारा धार्मिक और भीमराव अंकेरकर विश्वविद्यालय सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। लक्षानऊ से प्रो. रिपु सुदान सिंह तथा

रिक्की विक्रविद्यालय के भी अधिक सिंह जैसे प्रतिस्तित विश्वाचिद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काकुल में तालिकान का निक्र करते हुए वर्तमान में पाकिस्तानियों राजनीतिक तंत्र को संतुत्तित करने हेतू अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

डी, अमित कुमार ने तालियान ऑफकरण के कुछ सकाशत्मक परुनुओं को उतागर किया। बाबा साहेब

अक्रोड के बेर्बरण विषय पर पार्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों में संबाद किया। इस दो दिवसीय संगोध्डी में 15 विशयहों ने विषय के विभिन्न पक्षी पर प्रवत्सा दाला और देश के विधिन धारों से विधिन संस्थानें से आए हुए 40 से ऑक्क शोधार्थियों ने

समापन सत्र में मुख्य करता थ्रो. चित्रमणि महायात्रा ने तत्तिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियाँ पा प्रकार हाला। समापन स्थागीत में राजनीतिक विकास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्मेश कुमार द्वरा

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran Date: 15-05-2022

आइसीएसएसआर को भेजी जाएगी संगोष्टी की रिपोर्ट : प्रो. टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रमद: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियाँ के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रधावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लदाख एवं जम्म कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में

हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुईं परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर कंद्रित करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टेकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षी पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही



हकेवि में राष्ट्रीय संगोध्दी को संबोधित करते कुलपति प्रो , टकेश्वर कुमार® हो. हास्था

उपयोगी साबित होगा। प्रो. टॅकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डा. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉन टेंडिशनल सिक्योरिटी कंसर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोध्ती में वक्ता डा. स्मृति एस पटनायक ने तालिबान और पशिवाई क्षेत्र में कद्ररपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कदरपंथी विचारधारा धार्मिक और सामदाविक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय के डा. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डा. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अञ्चवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतलित करने के लिए संभावित रणनीतियों की चर्चा की। डा. अमित कमार ने तालिबान अधिकरण के कछ संकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह

अन्य राष्टों से शांतिपणं सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विवि. लखनऊ से प्रो. रिपु सुदान सिंह तथा मनोहर पारिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया। उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस संगोध्ही में 15 विशेषजों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियाँ पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाकिस्तान और अमेरिका की धमिका से धी प्रतिभागियों को अवगत कराया। समापन समारोह में राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार द्वारा अभिवादन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के सह आचार्य डा. शांतेश ने संगोध्डी प्रतिवेदन प्रस्तत किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times Date: 15-05-2022

Two day National Seminar concludes at CUH

Urvashi Rana info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: In an ongoing ICCSR sponsored National Seminar in Central University of Haryana (CUH), Mahednergarh organized by Department of Political Science in a collaboration with Centre for Ladakh and Jammu Kashmir Studies under the theme of Extremism in Afghanistan and its impact on India & Asian Region came to an end on Saturday with the valedictory session attended by esteemed Prof. Chintamani Mahapatra, and honorable Vice Chancellor, ProcTankeswar Kumar of Central University of Haryana. On the second day of seminar, various renowned speakers, and Professors have partidipated and deliberated over the pertinent issues concerning to the developments in Afghanistan and its implications in India. Also, many researchers, students from various universities and institutes presented their papers on various issues covering the principal theme of the seminar and actively participated in discussion. In a series of addresses, Dr. Ketkar from JNU highlighted the impact of extremism of Islam on India and Central Asian region and discussed the radical tendencies of



Taliban, Referring to the emerging situation after the change of guard in Afghanistan, she suggested that India should focus its attention on employment generation and developmental efforts in Jammu and Kashmir.Whereas Research Fellow in IDSA. New Delhi Dr. Smriti referred to the radical ideology, religious and community differences spreading in Sri Lanka and Bangladesh.Renownedexperts of Afghan - Taliban issues and Indian foreign policy, Prof. Satish Kumar and Dr. Amit Singh were also part of the seminar who talked about various reasons before the rise of Taliban and its impacts on Afghani society. Other quest speakers of the day Prof. Ripu Sudan Singh, and Dr. Ashok K. Behuria explored major policy options for India and interacted with the students and research scholars. Along with this, they answered various questions asked by the attendees in the seminar. In the valedictory session of the two day

seminar, Dr. Ramesh Kumar, Head of the Department of Political Science greeted the visiting guests. Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar discussed the emerging extremism in Afghanistan and its impact on the defense and security of Jammu & Kashmir. Along with this, Prof Chintamani Mahapatra of JNU encouraged all the researchers and students in his farewell speech and underlined the emerging regional geopolitics after the return of Taliban in Afghanistan. At the end of the session, Associate Professor in the Department of Political Science Dr. Shantesh Kumar Singh placed the seminar report before the attendees and convener of the seminar, Dr. Raieev Kurnar Singh expressed his heartfelt grateful to all the quest speakers. Professors and participants who came to attend the seminar. Also, He congratulated all the members of organizing team for their sincere efforts.

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari Date: 15-05-2022

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

भारत अपना ध्यान <mark>रोजगार सुरक्षा</mark> और विकासात्मक निर्माण पर केंद्रित करे: डा. केतकर

आई.सी.एस.एस.आर. को भेजी जाएगी संगोद्धी की रिपोर्ट

महेंद्रगढ, 14 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे चरण की श्रू आत जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रूप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टेंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद



हकेंवि में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोध्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आई.सी.एस.एस.आर. को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॅनट्रिडशनल सैंक्योरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस. पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बंगलादेश में प्रसारित हो रही कटटरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेत् संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा हैतथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की बात करता है।

तालिबान द्वारा की गई प्रैस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहें ब भीमराव अम्बें डकर विश्वविद्यालय, लखनऊ सेप्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर परिंकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया ने विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

साथ ही उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस 2 दिवसीय संगोध्टी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश खला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) Date: 15-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विवि. में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का समापन

महेन्द्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब कंसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूपभारतव एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लददाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मख्य रुप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. उपस्थित रहे। डॉ. सतीं टेकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस वर्तमान में अफगानिक आयोजन में शामिल सभी विशयज राजनीतिक और सामाजिक वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश के शोषण तथा अव्यवस्थि डाला।विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए तंत्र को संतुलित करने हं यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी रणनीतियों की चर्चा की।

 आईसीएसएसआर को भेजी जाएगी संगोध्टी की रिपोर्ट

साबित होगा। प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित प्रस्तक नॉनट्र्डिशनल सेक्य्रिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया संगोध्ठी में क्कता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कटटरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कटटरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कमार ने काबल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतलित करने हेत संभावित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कामोद का किया भ्रमण



हकेंवि का भ्रमण दल गांव कामोद के सरपंच के साथ 🛮 सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी दादरी जिले के कामोद गांव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया।

इस शोध के मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रूझान, ग्राम पंचायत द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के शोध भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इसके माध्यम से उन्हें अपने ज्ञान के आधार पर वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डा. टी.लॉग्कोई, सहायक आचार्य डा. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस शोध भ्रमण के विषय में कामोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कामोद को गांव के विकास के लिए किए गये प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छः स्टार मिले हैं, जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है।

इस शोध भ्रमण में विभाग के अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

डॉ. पूजा यादव को मिली फैलोशिप

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक



आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए

प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है। डॉ. पूजा इसके अंतर्गत इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल हाइजीन, माइक्रोबायोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी मेडिकल हाइजीन, जर्मनी में प्रोफेसर बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ काम करेंगी, जो माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा को बधाई दी । डॉ. पूजा यादव ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन और टेक्सास मेडिकल स्कूल, ह्यूस्टन से पोस्टडॉक किया है।

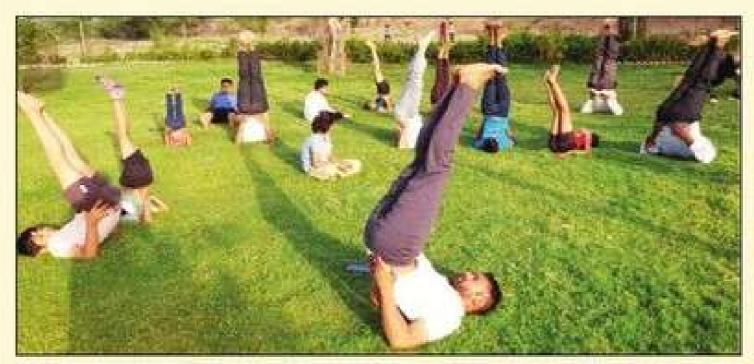
माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी डॉ. पूजा को बधाई दी और में एक उपयोगी शोध की कामना की। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह माह की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विवियों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

विद्यार्थियों का शोध भ्रमण

सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों का रुझान जाना

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी-दादरी जिले के कमोद गांव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया। इस शोध के मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रुझान, ग्राम पंचायत द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा। विभाग प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई, सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस शोध भ्रमण के विषय में कमोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कमोद को गांव के विकास के लिए किए गये प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छह स्टार मिले हैं जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है। अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

योग जागरूकता अभियान का आयोजन



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का योग विभाग, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाने के लिए क्षेत्र में योग के लिए जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत योग शिविर का आयोजन कर रहा है। जिसमें एमएससी योग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी आसपास के क्षेत्र में योग करने की सलाह दे रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थी चतुर्थ सत्र में अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करते हुए अपने ज्ञान और अनुभव लोगों के बीच जाकर साझा कर रहे हैं जिससे वे योग के यथार्थ स्वरूप से रूबरू हो रहे हैं। इसी क्रम में महेंद्रगढ़ में स्थित हुडा पार्क में लसानी यादव और अजय, वेदामृत योग संस्थान में नित्यानंद, प्रदीप, बाबा खीमज मंदिर सेहलंग पहाड़ी कनीना क्षेत्र में रोहित, सोमवीर ने योग कैंप की लगा रहे हैं। यहां भारी संख्या में लोग कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं। योग सीख रहे हैं। संवाद

डॉ. पूजा यादव को मिली फैलोशिप

प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलबर्ग के साथ जर्मनी में काम करेगी डॉ. पूजा

विश्वविद्यालय

सदस्य की यह

उपल ब्धि

उल्लेखनीय है

और अवश्य

माध्यम से वे

फैलोशिप के

संकाय

इसके

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है।

डॉ. पूजा इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, जर्मनी में प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ काम करेंगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय



डॉ. पूजा यादव। संवाद

— निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगी।

बता दें कि डॉ. पूजा यादव ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन और टेक्सास मेडिकल स्कूल, प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलबर्ग के साथ जर्मनी में काम करेगी डॉ. पूजा यादव

ह्यूस्टन से पोस्टडॉक किया है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी डॉ. पूजा को बधाई दी।

प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह महीने की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विश्वविद्यालयों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।



शोध भ्रमण के दौरान गांव कमोद के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ हकेंविवि के शिक्षक व विद्यार्थी। संबाद

विद्यार्थियों ने गांव कमोद का किया भ्रमण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी दादरी जिले के गांव कमोद का शोध भ्रमण किया।

मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रूझान, ग्राम पंचायत द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के शोध भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई, सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में हुए शोध भ्रमण के विषय में कमोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कमोद को गांव के विकास के लिए किए गए प्रयासों के लिए हिरयाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छह स्टार मिले हैं। जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है। भ्रमण में विभाग के अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 लोगों ने हिस्सा लिया।

E-RICKSHAW FACILITY AT CUH

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) has started an eco-friendly e-rickshaw service to provide transport facilities for students, research scholars, visitors, teaching and non-teaching employees for travelling from one building to other on the university campus. Vice-Chancellor Prof Tankeswar inaugurated the facility and stated that the battery based e-rickshaw being eco-friendly would help in reducing pollution.



Mon, 16 May 2022 https://epaper.tribune

